स्नातक प्रथम वर्ष हेतु
माइनर इलेक्टिव पाठ्यक्रम
विषय– संस्कृत

Programme/Class: **Certificate** कार्यक्रम / वर्ग– **सर्टिफिकेट**	Year– **First** वर्ष– **प्रथम**	Semester- **I or II** सेमेस्टर– **प्रथम या द्वितीय**

विषय– संस्कृत (माइनर इलेक्टिव पाठ्यक्रम)

नोट– यह पाठ्यक्रम (स्नातक प्रथम वर्ष) के लिए निर्धारित है, जिसका अध्ययन अभ्यर्थी स्नातक प्रथम वर्ष के (प्रथम या द्वितीय) किसी भी सेमेस्टर में कर सकते हैं।

प्रश्न पत्र कोड– A020101M	प्रश्न पत्र शीर्षक– **व्यावहारिक संस्कृत व सामान्य व्याकरण–बोध**

Course outcomes: **अधिगम उपलब्धि–**

- विद्यार्थी संस्कृत साहित्य का सामान्य परिचय प्राप्त कर संस्कृत साहित्य के विविध स्वरूप से परिचित हो सकेंगे।
- स्नातक स्तर के विद्यार्थियों में संस्कृत विषय के प्रति रुचि उत्पन्न होगी।
- विद्यार्थियों को अपने आस–पास की वस्तुओं को देखने, सुनने व समझने के लिए एक संस्कृतमय दृष्टि विकसित होगी, जिससे विषय के साथ–साथ विद्यार्थियों का भी उन्नयन होगा।
- विद्यार्थियों के दैनिक जीवन में प्रयुक्त सामग्रियों हेतु संस्कृत शब्दकोश का ज्ञान होगा।
- संस्कृत–व्याकरण का सामान्य ज्ञान, संस्कृत वर्णों के शुद्ध उच्चारण–कौशल का विकास होगा।
- स्वर–व्यंजन तथा भाषा सम्बन्धित शब्दावलियों का सामान्य परिचय प्राप्त कर सकेंगे।

Credits: **6**	**Core Compulsory**
Max. Marks: **25 + 75**	Min. Passing Marks:

Total No. of Lectures – Tutorials – Practical (in hours per week): L-T-P: **4-0-0.**

Unit इकाई	**Topics** पाठ्य विषय	**No. of Lectures** व्याख्यान संख्या

प्रो० वन्दना पाण्डेय
संयोजक
संस्कृत अध्ययन परिषद
महाराजा सुहेलदेव राज्य वि०वि०

प्रथम भाग (PART-1)		
I	**संस्कृत में संख्याओं का ज्ञान (1–100 तक)**	10
II	**संस्कृत में दिनों के नाम, मास, पक्ष, दिशा, घड़ी आदि का सामान्य परिचय।**	15
III	**गृहोपयोगी तथा दैनिक जीवन में प्रयुक्त सामग्रियों के लिए सामान्य संस्कृत शब्दावली का ज्ञान।**	15
द्वितीय भाग (PART-2)		
IV	**लघुसिद्धान्तकौमुदी– संज्ञाप्रकरण पर आधारित, माहेश्वरसूत्र का ज्ञान, प्रत्याहार निर्माण का अभ्यास**	15
V	**लघुसिद्धान्तकौमुदी– संज्ञाप्रकरण पर आधारित वर्णों के उच्चारण स्थान व उनके प्रयत्न का अभ्यास।**	15
VI	**लघुसिद्धान्तकौमुदी के आधार पर निम्नलिखित संधियों का सामान्यबोध (केवल संधिविच्छेद का ज्ञान)– दीर्घसंधि, गुणसंधि, वृद्धिसंधि, यणसंधि, अयादिसंधि, श्चुत्वसंधि, ष्टुत्वसंधि।**	20

संस्तुत ग्रन्थ–

- संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास, पद्म श्री डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी, प्रकाशक, रामनारायणलाल विजयकुमार 2, कटरा रोड़, इलाहाबाद
- वरदराजकृत, लघुसिद्धान्तकौमुदी, व्याख्याकार, आचार्य डॉ0 सुरेन्द्र देव स्नातक शास्त्री, प्रकाशक, चौखम्भा ओरियण्टालिया, वाराणसी
- लघुसिद्धान्तकौमुदी, भैमी व्याख्या, व्याख्याकार, भीमसेन शास्त्री, भैमी प्रकाशन दिल्ली, संस्करण 1993
- वाक्यव्यवहारः, सम्पादक, वेम्पटि कुटुम्बशास्त्री, प्रकाशक, केन्द्रिय संस्कृत विश्वविद्यालयः नवदेहली
- संस्कृत–हिन्दी व्यावहारिक शब्दावली, लेखक– चन्द्रदेव त्रिपाठी
- शब्दसामर्थ्यम्, सम्पादक, डॉ0 चन्द्रकान्त दत्त शुक्ल, प्रकाशक, चातुर्वेद संस्कृत प्रचार संस्थानम् काशी, उत्तरप्रदेश

This Couse can be opted as an elective by the students of following subjects:

सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)

प्रस्तावित सतत मूल्यांकन–

(क) पाठ्यक्रम में निर्धारित ग्रन्थों पर आधारित अधिन्यास (असाइमेण्ट) **15 अंक**

अथवा

वर्णों के उच्चारण स्थान व प्रयत्न की प्रायोगिक/मौखिक परीक्षा

अथवा

27/10/24

प्रो० वन्दना पाण्डेय
संयोजक
संस्कृत अध्यन परिषद
महाराजा सुहेलदेव राज्य वि०वि०
आजमगढ़

माहेश्वरसूत्र एवं प्रत्याहार निर्माण विषयक परियोजना कार्य या मौखिकी **(ख) लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ / लघु उत्तरीय)** **10 अंक**
Course prerequisites: **सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)**
Suggested equivalent online courses: ....
Further Suggestions: ....

R.P. mishra मनोज कुमार द्विवेदी

स्नातक द्वितीय वर्ष हेतु
माइनर इलेक्टिव पाठ्यक्रम
विषय– संस्कृत

Programme/Class: **Diploma** कार्यक्रम / वर्ग– **डिप्लोमा**	Year– **Second** वर्ष– **द्वितीय**	Semester- **III or IV** सेमेस्टर– **तृतीय या चतुर्थ**
विषय– संस्कृत (माइनर इलेक्टिव पाठ्यक्रम) **नोट–** यह पाठ्यक्रम (स्नातक द्वितीय वर्ष) के लिए निर्धारित है, जिसका अध्ययन अभ्यर्थी स्नातक द्वितीय वर्ष के (तृतीय या चतुर्थ) किसी भी सेमेस्टर में कर सकते हैं।		
प्रश्न पत्र कोड– A020202M	प्रश्न पत्र शीर्षक– **संस्कृत नाटक व व्याकरण–बोध**	

Course outcomes: **अधिगम उपलब्धि–**

- विद्यार्थी संस्कृत नाट्य साहित्य परम्परा व नाट्यविधा को सामान्य रूप से समझने में सक्षम होंगे।

1/10/24

प्रो० वन्दना पाण्डेय
संयोजक
संस्कृत अध्यन परिषद
महाराजा सुहेलदेव राज्य वि०वि०
आजमगढ़

- नाटक की पारिभाषिक शब्दावलियों से परिचित होंगे।
- नाटक में प्रयुक्त रस, छंद, अलंकारों का सम्यक बोध कर सकेंगे।
- संवाद व अभिनय कौशल में पारंगत होंगे।
- नवीन पदों के ज्ञान द्वारा उनके शब्दकोश में वृद्धि होगी।
- व्याकरणशास्त्र के ज्ञान के माध्यम से शुद्धवाक्य विन्यास कौशल, विभक्ति, संधि व संज्ञाओं की परख व समझ विकसित होगी।
- शब्दों की प्रकृति व प्रत्यय को समझकर भाव–बोधन में समर्थ होंगे।

Credits: **6**	**Core Compulsory**
Max. Marks: **25 + 75**	Min. Passing Marks:

Total No. of Lectures – Tutorials – Practical (in hours per week): L-T-P: **4-0-0.**

Unit इकाई	**Topics** पाठ्य विषय	**No. of Lectures** व्याख्यान संख्या
	प्रथम भाग (PART-1)	
I	**संस्कृत नाट्य साहित्य परम्परा एवं नाट्योत्पत्ति के सिद्धान्त।**	10
II	**निम्नलिखित संस्कृत नाटककारों एवं उनके प्रमुख नाटकों का सामान्य परिचय– भास, कालिदास, भवभूति।**	10
III	**'अभिज्ञानशाकुन्तलम्' चतुर्थ अंक**	30
	द्वितीय भाग (PART-2)	
IV	**लघुसिद्धान्तकौमुदी– विभक्त्यर्थ प्रकरण**	15
V	**लघुसिद्धान्तकौमुदी– आधारित निम्नलिखित प्रत्ययों का सामान्य परिचय– तव्य, तव्यत्, अनीयर, क्त्वा, तुमुन्, ल्यप्**	15
VI	**लघुसिद्धान्तकौमुदी– विभक्त्यर्थ प्रकरण प्रकरण पर आधारित सामान्य संस्कृत अनुवाद।**	10

संस्तुत ग्रन्थ–

- कालिदासकृत, अभिज्ञानशाकुन्तलम्, व्याख्याकार, पद्म श्री डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी प्रकाशक, रामनारायणलाल विजयकुमार 2, कटरा रोड़, इलाहाबाद
- अभिज्ञानशाकुन्तलम्, डॉ0 रमाशंकर त्रिपाठी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
- संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास, पद्म श्री डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी, प्रकाशक

प्रो० वन्दना पाण्डेय
संयोजक
संस्कृत अध्ययन परिषद
महाराजा सुहेलदेव राज्य विश्वविद्यालय
आजमगढ़

रामनारायणलाल विजयकुमार 2, कटरा रोड़, इलाहाबाद • संस्कृत साहित्य का इतिहास, आचार्य बलदेव उपाध्याय, शारदा संस्कृत संस्थान वाराणसी • वरदराजकृत, लघुसिद्धान्तकौमुदी, व्याख्याकार, आचार्य डॉ0 सुरेन्द्र देव स्नातक शास्त्री प्रकाशक, चौखम्भा ओरियण्टालिया, वाराणसी • लघुसिद्धान्तकौमुदी, भैमी व्याख्या, व्याख्याकार, भीमसेन शास्त्री, भैमी प्रकाशन, दिल्ली • शब्दसामर्थ्यम्, सम्पादक, डॉ0 चन्द्रकान्त दत्त शुक्ल, प्रकाशक, चातुर्वेद संस्कृत प्रचार संस्थानम् काशी, उत्तरप्रदेश
This Couse can be opted as an elective by the students of following subjects: **सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)**
प्रस्तावित सतत मूल्यांकन– **(क) पाठ्यक्रम में निर्धारित ग्रन्थों पर आधारित अधिन्यास (असाइमेण्ट) 15 अंक** **अथवा** **श्लोकों के उच्चारणगत शुद्धता, विभक्तिज्ञान, विशेष्य–विशेषण व संधि की परख सम्बन्धित प्रायोगिक/मौखिक परीक्षा** **अथवा** **पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्ययाधारित शब्दों में, उन प्रत्ययों का अन्वेषण रूपी परियोजना कार्य** **(ख) लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ/लघु उत्तरीय) 10 अंक**
Course prerequisites: **सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)**
Suggested equivalent online courses: ....
Further Suggestions: ....

R.P. mishra Anurag Mishra मनोज कुमार त्रिपाठी 21/10/24

*****

वन्दना पाण्डेय
संयोजक
संस्कृत अध्यन परिषद
महाराजा सुहेलदेव राज्य वि०वि०
आजमगढ़